



चाँद की चांदनी में चाची की चूत चाटी-2

“दोस्तो, नमस्कार, मेरा नाम चित्रेश है, आपने मेरी कहानी चाँद की चांदनी में चाची की चूत चाटी का पहला भाग पढ़ा जिसमें मैंने आपको बताया था कि मैं अपने चाचा के साथ ही रहता था। मेरे चाचा की नई-नई शादी हुई थी, चाची 26 साल की थीं और दिखने में भी खूबसूरत थी, चाची के [...] ...”

Story By: अज्ञात (_agyat)

Posted: Thursday, January 23rd, 2014

Categories: [चाची की चुदाई](#)

Online version: [चाँद की चांदनी में चाची की चूत चाटी-2](#)

चाँद की चांदनी में चाची की चूत चाटी-2

दोस्तो, नमस्कार, मेरा नाम चित्रेश है, आपने मेरी कहानी

चाँद की चांदनी में चाची की चूत चाटी

का पहला भाग पढ़ा जिसमें मैंने आपको बताया था कि मैं अपने चाचा के साथ ही रहता था।

मेरे चाचा की नई-नई शादी हुई थी, चाची 26 साल की थीं और दिखने में भी खूबसूरत थी, चाची के साथ आपने मेरी आपबीती को पढ़ कर मुझे मेल किये उस के लिए आपका तहेदिल से शुक्रिया।

पेश है मेरी कहानी का आगे का भाग-

चाची अपने नाखून मेरी पीठ पर चुभो रहीं थीं, मैं चाची के स्तनों पर काट रहा था। तभी चाची ने मुझे कस लिया और तेजी से झटके मारने लगीं।

मैंने कहा- मेरा निकलने वाला है।

वो बोलीं- अंदर ही छोड़ दो। कब से तरस रहीं थी इस पल के लिये इतना। मेरे धक्के चरम पर थे।

‘प्लीज चित्रेश, तेजी से करो! और जोर से! मेरा भी होने वाला है! तेज और तेज... हम्मम्म हम्मम्म...’ करते करते झड़ गईं।

मैं भी उनके साथ ही झड़ गया, हम दोनों पसीने लथपथ थे। ऐसा लग रहा था, मानो आग से निकले हों!

चाची के चेहरे पर खुशी के भाव थे मानो उनकी प्यास कुछ शांत हो गई।

सुबह चाची और मैं एक दूसरे से नजरें नहीं मिला पा रहे थे।

चाची मेरी तरफ अपनी पीठ कर के लेटी थी। और हम दोनों अब भी नग्न अवस्था में थे। मुझे उनकी सुंदर चिकनी पीठ को देख कर फिर से वासना जागने लगी थी।

मैं चाची की पीठ पर चिपक गया और उनकी गर्दन पर चुम्बन करने लगा। चाची की सिसकारियाँ निकलने लगीं वो 'अह-अहूह' करने लगीं और बोलीं- चित्रेश नहीं, अब नहीं प्लीज़!

किन्तु मैंने छोड़ने के लिए नहीं पकड़ा था, मैं उनको चूमता रहा, और वो मना करती रहीं। वे मुझको खुद से दूर करने की कोशिश करती रहीं। मैंने अपना हाथ उनकी चूत पर रख दिया और उनकी चूत के अंदर उंगली डालने लगा।

चाची ने कुछ देर तो विरोध किया किन्तु बाद में वो शांत पड़ गई, और मैंने अपने दो उंगलियाँ एक साथ चूत में डालने की कोशिश की तो उन्होंने खुद ही अपनी टाँगे फैला दीं।

शायद अब उनको भी मज़ा आने लगा था। देखते ही देखते चाची ने मुझे नीचे लेटा दिया और अपनी चूत को मेरे मुँह में रगड़ने लगीं।

अब मैं उनकी चूत चाट रहा था और उनके उभारों को दबा रहा था। कभी मैं उनके स्तन दबाता, कभी कमर को सहलाता, तो कभी उनके चूतड़ों पर हाथ फेरता।

फिर वो नीचे झुकीं और मेरे लंड को अपनी चूत पर रगड़ने लगीं और मेरे होंठों को चूसने लगीं।

अब उनके सर पर भी वासना हावी हो चुकी थी।

फिर उन्होंने मेरे लंड को पकड़ कर चूसना शुरू कर दिया।

मैं सम्भोग के सागर में जाने को आतुर था। तभी चाची मेरे लंड पर बैठ गई, और 'ओह्ह ओह्ह' करते हुये दर्द का आभास करने लगीं।

मैं उत्तेजित हो चुका था, तो मैंने अपनी कमर को जोर का झटका दिया।
'ओह्ह्ह्ह, धीरे करो चित्रेश!' चाची दर्द भरी आह निकालते हुए बोलीं।

मैंने अपना काम चालू रखा। कुछ ही पलों में चाची मेरा साथ देने लगीं। वो मेरे ऊपर लेट कर ही तेजी से झटके मार रही थी।

जिस प्रकार वो मेरे साथ सेक्स कर रही थी, मुझे यह समझ नहीं आ रहा था कि वो मुझे चोद रही हैं या मैं उनको।

हम दोनों एक-दूसरे से इस प्रकार लिपटे हुए थे जैसे एक जिस्म दो जान! शरीर तो मानो आग में तप रहा था।

कुछ देर पश्चात मैंने चाची को अपने नीचे लेटा दिया, और तेजी से झटके मारने लगा।

चाची मुझे पागलों के जैसे चूमने और काटने लगीं। उनके नाखून मेरी पीठ पर चुभते जा रहे थे। किन्तु सेक्स की हवस में दर्द का पता कहाँ चलता है।

'चित्रेश, तेजी से करो प्लीज मैं जानी वाली हूँ हम्म हम्म, आह्ह, और करो आह्ह्ह...' करते हुए चाची ने मुझे अपनी दोनों टांगों के बीच में कस लिया और झड़ने लगीं। मैं भी उनके साथ ही झड़ता चला गया।

सच में दोस्तो, सेक्स के अंतिम पल में जो मज़ा आता है, उसके आगे तो दुनिया की हर खुशी बेकार सी लगती है।

मनुष्य स्वयं को सुंदर दिखाने के लिए कितने प्रकार के फैशनेबल कपड़े पहनता है, जिससे उसको खुशी मिलती है, किन्तु वो यह भूल जाता है कि जिंदगी का परम सुख वह बिना कपड़ों में ही सम्भोग करके ही प्राप्त करता है।

वो अहसास मुझे उसी वक्त हुआ। अब हम दोनों एक-दूसरे की बाहों में पड़े थे। चाची मुझसे लिपटी हुई थी।

कुछ देर बाद मेरे मोबाइल में फोन आया, तो हम दोनों उठ खड़े हुए।

अब चाची अपने स्तनों को मुझसे छिपा रहीं थी। फोन मेरी बुआ के लड़के का था।

वो बोला- भैया, मम्मी की तबियत खराब है, तो दादी दो दिन के बाद आयेगी।

यह सुनते ही मैंने बोला- क्या दादी दो दिन के बाद आयेंगी ?

मेरे मुँह से यह सुनते ही चाची की आँखों में भी चमक आ गई।

मैंने बोला- ठीक है, जब आयेंगी तो बता देना !

मैंने फोन रख दिया और मैं चाची को कामुक निगाहों से निहारने लगा।

चाची बोलीं- ऐसे क्या देख रहे हो ? हटो मुझे जाने दो।

मैंने बोला- कहाँ जाना है ?

वो बोलीं- नहाने जाना है।

मैंने कहा- मैं भी चलता हूँ, दोनों साथ में नहाएंगे।

तो वो मना करने लगीं।

मैंने उन्हें पकड़ कर गोद में उठा लिया और बाथरूम में ले गया। फिर हम दोनों ने वहाँ पर एक-दूसरे को नहलाना शुरू कर दिया।

मैं चाची के शरीर पर साबुन लगा रहा था, और वो मेरे शरीर पर, उनके हाथों के स्पर्श से मेरे लंड में उतेजना आ गई, वो फिर से खड़ा हो गया।

चाची उसे पकड़ कर सहलाने लगीं, बोलीं- चित्रेश, तुम्हारी बीवी तुमसे खुश रहेगी, क्योंकि तुम्हारा लंड बहुत ही अच्छा है। किसी भी स्त्री की प्यास बुझा सकता है।

मैंने उनसे कहा- फिलहाल तो आप मेरी प्यास बुझा दो।

वो बोलीं- बस अब नहीं, मैं थक गई हूँ।

तो मैंने बोला- अब मैं इसका क्या करूँ? यह नहीं मानेगा।

तो वो नीचे झुकीं और उन्होंने मेरा लंड मुँह में लेकर चूसना शुरू कर दिया। कभी मेरे आंड को चूसतीं कभी हाथ से सहलातीं।

मैं उत्तेजित हो चुका था। थोड़ी देर बाद मैं फिर झड़ गया।

अब हम दोनों नहा कर बाहर आ गये।

तभी दरवाजे की घण्टी बजी, देखा तो पड़ोस वाली भाभी आई थीं, फिर चाची और वो बातें करने लगीं।

जैसे-तैसे दिन बीता, मैं तो बेचैन था, फिर से सेक्स करने के लिये। 9 बजते ही मैं बिस्तर पर लेट गया। चाची आई, अब उन्होंने टॉप और लोअर पहना था और लोअर में उनके नितम्ब मदहोश कर रहे थे।

वो आते ही मुझ पर टूट पड़ीं और मैं उन पर एक दूसरे को चूमने चाटने में ऐसे खो गये कि कब शरीर से सारे कपड़े निकले, पता भी नहीं चला।

यह कहानी आप अन्तर्वासना डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं।

और देखते ही देखते हम दोनों ने एक चुदाई का सफर खत्म कर एक-दूसरे की प्यास को थोड़ा शांत कर दिया।

चाची पेट के बल लेटी थी, और उनकी उभरी हुई पिछाड़ी को देख के मेरा मन में दुबारा चुदाई की इच्छा होने लगी।

मैं उनके ऊपर लेट गया और उनकी पीठ पर चुम्बन करने लगा।

वो भी आपने हाथों से मुझे सहला रही थी।

मैंने अपना लंड उनकी गांड पर रख के थोड़ा सा धक्का दिया।

चाची चिहूँक उठीं और बोली- चित्रेश, यह क्या कर रहे हो ? पीछे से मत करो, मुझे डर लगता है।

मैंने उन्हें बोला- आप मुझ पर विश्वास रखो, ज्यादा दर्द नहीं होने दूंगा।

वो मान गई।

मैंने थोड़ा सा तेल उनकी गांड के छेद पर लगा के उँगली को अंदर डाला, तो वो मना करने लगीं- नहीं चित्रेश प्लीज़ दर्द हो रहा है।

पर मैंने उनकी बातों को अनसुना कर के अपने लंड पर तेल लगाया, और उन्हें घोड़ी बना कर अपने लंड को उनको गांड के छेद पर रख दिया।

मैं दोनों हाथों से उनके स्तनों को दबाने लगा उनको मज़ा आने लगा, वो भी अपनी गाण्ड को मेरे लण्ड पर रगड़ने लगीं।

मैंने लंड को उनकी गांड में डाल दिया। चिकनाई अधिक होने से लंड आधा घुस गया था। वो चिल्ला पड़ीं- ऊईई आहूहूह ... चित्रेश छोड़ दो, मुझे मुझसे नहीं सहा जा रहा है।

मैंने एक हाथ उनकी चूत पर रख दिया और उँगली को चूत अंदर-बाहर करने लगा जिससे

उन्हें राहत मिली और वो मुझे किस करने लगीं ।

मैंने जैसे ही देखा कि वो अब थोड़ा मजे ले रहीं हैं तो एक जोर का झटका मारा ।
वो झटके को सहन नहीं कर पाई और बेड पर गिर पड़ीं । उनकी आँख में दर्द के आँसू थे और
गाण्ड में से खून निकल रहा था ।

यह देख कर और मेरे चेहरे पर खुशी थी कि चूत नहीं तो गांड तो फाड़ने को मिली ।

मैं उनको किस करने लगा । उनके शरीर को सहलाते हुए धीरे-धीरे धक्के मारता रहा ।

कुछ देर बाद लंड असानी से उनकी गांड में अंदर-बाहर करने लगा, अब वो मेरा साथ दे
रहीं थी ।

उनको भी मज़ा आने लगा था, वो खुद ही घोड़ी बन अपनी गांड को आगे-पीछे करने लगीं ।

मैंने लंड बाहर निकाल दिया और उन्हें पलटा कर उनके स्तनों चूसने लगा, उनकी टाँगों
अपने कन्धों पर रख लीं और अपना लंड दुबारा से उनकी गांड में डाल दिया ।

मैं अब और धक्के मारने लगा, उन्हें चूमने लगा, मेरे धक्के तेज़ हो गये, मैंने उन्हें कस
लिया और मैं कुछ देर उनकी गांड मारने के बाद, उनकी गांड में ही झड़ गया ।

वो भी थक चुकी थी और मैं भी ।

गांड मारने का मज़ा भी अलग ही है यारो ! किसी स्त्री को मज़ा आ जाए तो खुश हो कर
देती है और दर्द हो तो जबरदस्ती ना करें ।

यह थी मेरी आपबीती, आज हम दोनों अपनी जिन्दगी में खुश हैं ।

आपको मेरी कहानी कैसी लगी ? मुझे आपके कमेंट्स का इंतजार रहेगा !

लेखक के आग्रह पर इमेल आईडी नहीं दी जा रही है.

Other stories you may be interested in

चूत की प्यास बुझाने नौकरी पर रखा लंड- 1

मेरी चुदाई की तमन्ना बरकरार थी लेकिन मेरे पति के पास मुझे चोदने का वक्त ही नहीं था. मेरी सहेली ने अपने नौकर से चुदाई की बात बताई तो मैंने भी नौकर रखने की सोची. लेखक की पिछली कहानी : सहेली [...]

[Full Story >>>](#)

लॉकडाउन में चुदासी भाभी और दो लड़कियों की चुदाई- 2

पड़ोसन की चुदाई कहानी में पढ़ें कि कैसे मेरे साथ वाले फ्लैट की भाभी ने मुझसे सेक्स की बात करके अपने फ्लैट में बुलाया. वहां उनकी किरायेदार दो लड़कियाँ और भी थी. दोस्तो, मैं राज आपको अपनी पड़ोसन भाभी उनकी [...]

[Full Story >>>](#)

लॉकडाउन में चुदासी भाभी और दो बहनों की चुदाई- 1

पड़ोसी की चुदाई कहानी में पढ़ें कि लॉकडाउन के दौरान मेरे साथ वाले फ्लैट में रहने वाली भाभी और उनकी किरायेदार दो लड़कियों के साथ मेरे सम्बन्ध कैसे बने. अन्तर्वासना की समस्त पाठकों और चाहने वाले दोस्तो को सलाम. खास [...]

[Full Story >>>](#)

मेरी चूत गांड चटवाने की तमन्ना

गंदा सेक्स की हिंदी कहानी में पढ़ें कि मैं शुरू से ही गुलाम पति चाहती थी. मुझे अपनी चूत और गांड चटवाना पसंद था. मैंने अपने पति से कैसे ये सब करवाया ? इस कहानी को सुनें. मैं एक अमीर परिवार [...]

[Full Story >>>](#)

इस चुत की प्यास बुझती नहीं- 4

देसी लवर सेक्स कहानी में पढ़ें कि मेरे ऑफिस में मेरा पुराना चोदू यार मेरा बॉस बन कर आया तो मैं खुश हो गयी. मेरी चुदासी चूत के लिए एक और लंड आ गया था. हैलो साथियो, मेरा नाम रूपा [...]

[Full Story >>>](#)

